

प

वर्तमालाएं किसी भी देश की प्रहरी और सुरक्षा-कवच होती है। उन्हें कभी खोदा और छोला जाए? खानिज माफिया कहीं और खुदाई करके मुनाफा कमा सकता है। कमोबेश उसे तो छोड़ दिया जाए, जो इनसानी अस्तित्व के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। सर्वोच्च अदालत ने अरावली पर्वतमाला पर समिति को अनुशासन मानते हुए जो फैसला सुनाया था, उसे ब्रह्म-वाच्य नहीं माना जा सकता। सर्वोच्च अदालत अपने फैसले की तरीफ आदरणीय थी। लिहाजा अदालत अपनी उपर्युक्तियों की 100 मीटर ऊंचाई के मानदंड पर भी पुनर्विचार किया जा सकता है। जिस पहाड़ी की ऊंचाई 100 या अधिक मीटर है, वह अरावली है, शेष पहाड़ियां लावरिस हैं। यह कैसे स्वीकार्य हो सकता है? संपूर्ण अरावली पर्वतमाला को सुरक्षित और संरक्षित किया जाना चाहिए। आज अरावली का नवर है, कल हिमालय को भी खंडित किया जा सकता है। अरावली पर्वतमाला राजधानी दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, गुजरात में 692

सम्पादकीय

अरावली में खनन रोकें

किसी लंबी है। इसमें से अधिकांश हिस्सा राजस्थान के तहत आता है। वह देश की सबसे प्राचीन और अरबों साल पुरानी धरोहर है, लिहाजा आदरणीय भी है। जन-आदोलन राजस्थान में ही नहीं, शेष राजों में भी उग्र करना चाहिए, क्योंकि यह पर्वतमाला हमारे अस्तित्व से जुड़ी है। जब ये पहाड़ियां नहीं रहेंगी, तो देश की राजधानी दिल्ली समेत मैदानी इलाकों को कितनी भयानक, गरम और मरुस्थलीय स्थितियां होंगी, यह सोच कर भी दृश्यत होने लगती है। यदि लगातार खनन के बाद अरावली पर्वतमाला शेष नहीं रही, तो राजधानी दिल्ली समेत उत्तरी भारत गरम और रेतोली हवाओं में घिर जाएंगे। धीरे-धीरे रेत के पहाड़ आकार लेंगे और रेगिस्टर दिल्ली, हरियाणा, गुजरात के उपजाऊ मैदानों के बीच एक प्राकृतिक रूप से धूल-अवरोधक है, जो थार मरुस्थल और उत्तरी भारत के उपजाऊ मैदानों के बीच एक प्राकृतिक दीवार का काम

करती है। मानसून की हवाओं को रोक कर बायाश करती है, लिहाजा पर्वतमाला को छिन्न-छिन्न करने से हरियाणा और राजस्थान में अकाल की नौबत भी आ सकती है। वह दिल्ली-एस्ट्रीआर और गुजरात में भी खाद्य-संकट पैदा कर सकती है। तो अरावली में खनन, खुदाई क्यों की जाए? हालांकि केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूर्जें यादव का बयान है कि खनन अरावली पर्वतमाला को पूरे क्षेत्र के मात्र 0.19 फौसदी भाग में ही होता है। राजधानी दिल्ली में खनन की कोई भी अनुमति नहीं है, लेकिन फरीदाबाद और गुरुग्राम के जगताल में जाकर मंत्री जी ने कभी जाया जा लिया है। हरियाणा में बिहारी जिले के तोशाम विधानसभा क्षेत्र के एक गांव-खानका एक दूसरा सामने आया है। उस छोटे से गांव में हर 100 कदम पर 300 क्रशर मशीनें पहाड़ियां खोद रही हैं। वहाँ 150 से अधिक खनन साइट हैं, जहाँ हर वक्त 500 से अधिक डॉपर मौजूद रहते हैं। गांव में करीब 1500 घर हैं। हरेक के घर की दीवारों में यह दरारें आ गई हैं अथवा प्लास्टर उड़ाकुहें।

● आज का इतिहास  बढ़ता राजस्थान

- 26 दिसम्बर की महत्वपूर्ण घटनाएं
- 1748 - फ्रांस और आस्ट्रिया के बीच दक्षिणी हॉलैंड को लेकर समझौते पर हस्ताक्षर किये गये।
- 1904 - दिल्ली से मुंबई के बीच देश की पहली क्रॉस कंट्री मोटरकार रेली का उदघासन।
- 1925 - तुर्की में ग्रेगोरियन कैलेंडर अपनाया गया।
- भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की स्थापना।
- 1977 - सोवियत संघ ने पूर्वी काजाख क्षेत्र में परमाणु परीक्षण किया।
- 1978 - भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को जेल से रिहा किया गया।
- 1997 - उड़ीसा की प्रमुख पार्टी, बीजू जनता दल (बीजद) की स्थापना वरिष्ठ राजनेता बीजू पटनायक के पुत्र नवीन पटनायक ने की।
- 2002 - संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने डेमोक्रेटिक रिपब्लिक आफ्रिकांगो में पुनः संघर्ष शुरू होने की सुचना दी।
- 2003 - रिक्टर पैमाने पर 6.6 की तीव्रता वाले भूकंप से ईरान के दक्षिणी पूर्वी शहर बाम में भारी तबाही।
- 2004 - रिक्टर पैमाने पर 9.3 की तीव्रता वाले भूकंप से आई सुनायी के कारण श्रीलंका, इंडिया, इंडोनेशिया, थाईलैंड, मलेशिया, मालदीव और आस पास के क्षेत्रों में भारी तबाही। दो लाख तीस हजार लोगों की मौत।
- 2006 - शेन वर्न ने अंतर्राष्ट्रीय टेस्ट क्रिकेट में 700 विकेट लेकर इतिहास रचा।
- 2007 - तुर्क विमानों ने इराकी कुर्द ठिकानों पर हमले किये।
- 2008 - कृतिका को हराकर तानिया सुयुकत शीर्ष पर पहुँची।
- 2012 - चीन की राजधानी बीजिंग से खांग्ज़ू शहर तक बनाए गए दुनिया के सबसे लंबे हुई सीड रेलमार्ग को खोला गया।
- 26 दिसंबर को जन्मे व्यक्ति
- 1899 - अमर शहीद ऊर्धम सिंह - स्वतंत्रता सेनानी।

विशेष आलेख

संसद में 'बिरला' का भाषाई यज्ञः प्रधानमंत्री ने भी माना, कोटा के लाल ने बढ़ाया भारत का मान



डॉ. जयंत प्रकाश गांधी, कोटा



भा

रत जैसे विविधातापूर्ण देश में संसद के केवल कानून बनाने की संख्या नहीं, बल्कि राजस्थान की सामूहिक चेतना का दर्पण होती है। हाल के संसदीय सत्रों में जो एक सुखद और दूरग्रामी बदलाव दिखाई दिया है, वह है, सदन के पटल पर गूंजती भारत की विभिन्न बोलियां और भाषाएँ बदल रही हैं। लोकसभा अध्यक्ष और विधायिका के उत्तराधिकारी ने दिल्ली के इस सर्वोच्च सदन से जोड़ता है कोटा वासियों के लिए यह गैरव का विषय है कि वहाँ के प्रतिनिधि ने राष्ट्रीय राजनीति में अपनी एक विशिष्ट छाप छोड़ता है।

संसदीय कूटनीति और वैश्विक पहचानः आम बिरला ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी भारतीय संसदीय प्रधानमंत्री की गरिमा को नई ऊँचाईयां दी है। कॉमनवेल्थ पालियारेटी एसोसिएशन (एस्क्रिप्ट) और इंटर-पालियारेटी यूनियन (ड्रुक) जैसे वैश्विक मंडलों पर उन्होंने 'लोकतंत्र की जनीनी' के रूप में भारत का प्रत्यक्ष विवरण की दिए वाधा न बने। तकनीकी सुविधाओं और रीयल-टाइम अन्वाद की व्यवस्था को सुदृढ़ कर उन्होंने सदन के भीतर एक ऐसा सासद अपनी मातृभाषा में अपनी बात गर्व के साथ रख सकता है। जब एक सासद तमिल, बांग्ला, मारठी या राजस्थानी पुढ़ वाली हींदी

में अपनी बात कहता है, तो वह केवल एक विचार नहीं, बल्कि अपने क्षेत्र की संस्कृति और अस्मिना को पहली के इस सर्वोच्च सदन से जोड़ता है कोटा वासियों के लिए यह गैरव का विषय है कि वहाँ के प्रतिनिधि ने राष्ट्रीय राजनीति में अपनी एक विशिष्ट छाप छोड़ता है। 17वीं लोकसभा के दौरान सदन की औसत उत्पादकता लगभग 97ल रही, जो पिछले 25 वर्षों में साधारित है। विशेष रूप से कोरोना काल की चुनौतियों के बावजूद, उन्होंने सत्रों का सुचारू संचालन सुनिश्चित किया और एक समय तो उत्पादकता 167ल तक जा पहुँची। यह उनके अनुशासन और समय प्रबंधन का ही परिणाम है कि सदन में शून्यकाल और प्रश्नकाल के दौरान अधिक से लोकतंत्र के अस्तित्व को सही मायनों में प्रदर्शित करता है।

है।

संसदीय कूटनीति और वैश्विक पहचानः आम बिरला ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी भारतीय संसदीय प्रधानमंत्री की गरिमा को नई ऊँचाईयां दी है। कॉमनवेल्थ पालियारेटी एसोसिएशन (एस्क्रिप्ट) और इंटर-पालियारेटी यूनियन (ड्रुक) जैसे वैश्विक मंडलों पर उन्होंने 'लोकतंत्र की जनीनी' के रूप में भारत का प्रत्यक्ष विवरण की दिए वाधा न बने। तकनीकी सुविधाओं और रीयल-टाइम अन्वाद की अनुसार अमरीका की गरिमा को नई ऊँचाईयां दी है। कॉमनवेल्थ पालियारेटी एसोसिएशन (एस्क्रिप्ट) और इंटर-पालियारेटी यूनियन (ड्रुक) जैसे वैश्विक मंडलों पर उन्होंने 'लोकतंत्र की जनीनी' के रूप में भारत का प्रत्यक्ष विवरण की दिए वाधा न बने। तकनीकी सुविधाओं और रीयल-टाइम अन्वाद की अनुसार अमरीका की गरिमा को नई ऊँचाईयां दी है। कॉमनवेल्थ पालियारेटी एसोसिएशन (एस्क्रिप्ट) और इंटर-पालियारेटी यूनियन (ड्रुक) जैसे वैश्विक मंडलों पर उन्होंने 'लोकतंत्र की जनीनी' के रूप में भारत का प्रत्यक्ष विवरण की दिए वाधा न बने। तकनीकी सुविधाओं और रीयल-टाइम अन्वाद की अनुसार अमरीका की गरिमा को नई ऊँचाईयां दी है। कॉमनवेल्थ पालियारेटी एसोसिएशन (एस्क्रिप्ट) और इंटर-पालियारेटी यूनियन (ड्रुक) जैसे वैश्विक मंडलों पर उन्होंने 'लोकतंत्र की जनीनी' के रूप में भारत का प्रत्यक्ष विवरण की दिए वाधा न बने। तकनीकी सुविधाओं और रीयल-टाइम अन्वाद की अनुसार अमरीका की गरिमा को नई ऊँचाईयां दी है। कॉमनवेल्थ पालियारेटी एसोसिएशन (एस्क्रिप्ट) और इंटर-पालियारेटी यूनियन (ड्रुक) जैसे वैश्विक मंडलों पर उन्होंने 'लोकतंत्र की जनीनी' के रूप में भारत का प्रत्यक्ष विवरण की दिए वाधा न बने। तकनीकी सुविधाओं और रीयल-टाइम अन्वाद की अनुसार अमरीका की गरिमा को नई ऊँचाईयां दी है। कॉमनवेल्थ पालियारेटी एसोसिएशन (एस्क्रिप्ट) और इंटर-पालियारेटी यूनियन (ड्रुक) जैसे वैश्विक मंडलों पर उन्होंने 'लोकतंत्र की जनीनी' के रूप में भारत का प्रत्यक्ष विवरण की दिए वाधा न बने। तकनीकी सुविधाओं और रीयल-टाइम अन्वाद की अनुसार अमरीका की गरिमा को नई ऊँचाईयां दी है। कॉमनवेल्थ पालियारेटी एसोसिएशन (एस्क्रिप्ट) और इंटर-पालियारेटी यूनियन (ड्रुक) जैसे वैश

कर्नाटक सीएम पर सत्ता संघर्ष तेज़:
खरगे से मिले शिवकुमार, कांगड़े
आलाकमान के फैसले का इंतजार!



बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली। कर्नाटक के अपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने गुरुवार को बैंगलुरु स्थित कांगड़े मलिकनंदन खरगे के आवास पर उनसे मुलाकात की, जिससे यह अटकले लगाई जा रही है कि यह मुलाकात राज्य में मुख्यमंत्री पद को लेकर चल रहे सत्ता संघर्ष से जुड़ी हो सकती है। कांगड़े सरकार के पांच साल के कार्यकाल के आधे समय तक पहुंचने के बाद, राज्य में मुख्यमंत्री परिवर्तन की अटकलें के बीच सत्ता परापरा पार्टी के भीतर सत्ता संघर्ष तेज़ हो गया है। हालांकि, बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए शिवकुमार ने अटकलों को खालिज करते हुए कहा कि किसी भी राजनीतिक मुद्दे पर चर्चा नहीं है। उन्होंने कहा कि उद्धोने राज्य कांगड़े के प्रभुत्व के तीर पर केंद्र सरकार एवं राज्यालयीन योजनाएँ स्थित रहीं पर आपत्ति कानून पर केंद्रल अपने विचार साझा किए, जो 27 दिसंबर को होने वाली कांगड़े कार्यवाची विचार सत्र के बैठकों को बैठक से पहले हुआ था।

उन्होंने कहा कि उन्होंने खरगे के साथ किसी अन्य मुद्दे पर चर्चा नहीं की है। उन्होंने कहा कि इसके कोई आवश्यकता नहीं है, मैं ऐसे मुलाकात करना चाहता हूं। उन्होंने कहा है कि हम मुलाकात के अवलोकन के फैसले का पालन करते हुए काम करेंगे और हम इसके प्रति प्रतिबद्ध हैं। अपने इस बयान पर किंवदन्ती के बारे रहेंगे, पूछे गए एक सवाल के जवाब में शिवकुमार ने कहा कि उक्त काम तबल पार्टी के आजीवन आर्थिकीय योजनाएँ आदित्यनाथ सहित करेंगी। उन्होंने कहा कि उन्होंने विचार सत्र के बैठक से पहले हुआ था।

उन्होंने कहा कि मैं पार्टी का आजीवन कार्यकर्ता हूं। मेरा पद चाहे जो भी हो, मैं पार्टी का कार्यकर्ता हूं। मैंने पार्टी का अधिकारी और अध्यक्ष दांतों के रूप में पार्टी की झंडा फहराया है। मैंने पार्टी का काम किया है। मैंने कांगड़े पार्टी के लिए विचार सत्र के बाबत कुछ भी नहीं किया है। मैंने कांगड़े पार्टी के लिए हर काम किया है।

तमिलनाडु में बस ने 2 कारें कुचली, 9 की मौत 4 घायल, कारें पूरी तरह चकनाचूर

बढ़ता राजस्थान



चैम्पई। तमिलनाडु के कल्पुरु जिले में बुधवार रात सड़क हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई, जबकि 4 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि चैम्पई से चैम्पई जा रही रोडवेज बस का स्टेट रोडवेज पर टायर फट गया था। बस अनियन्त्रित होकर डिवाइडर पर चढ़ाई हुई दूसरी लेन में चली गई और सपाने से आ रहीं 2 करों को कुचल दिया। दोनों करों बस के नीचे फ़सक गयी तरह चकनाचूर हो गई। दोनों करों की मृत्यु निर्धारित हो गई। उन्होंने कहा कि यह निकाला जाया जाएगा। बायां की तिताकुड़ी और रामनाथुरु पुलिस मौके पर पहुंचे और स्थानीय लोगों की मदद से फ़से लोगों को बाहर निकाला। बायां की तिताकुड़ी और पेरेंट्वारु के समाजीलों ने भर्ती कार्यक्रम किया है। उन्होंने के कारण चैम्पई-तिताकुड़ी राज्यालय पर कई किलोमीटर लंबा यातायात चालू किया गया। कारीब 2 दो घंटे बाद ड्रेन से बाहर हटाया गया। चैम्पई बस ने बाहर हटाया गया।

सेना के जवानों को सोशल मीडिया इस्टर्नेशन की इजाजत

इंस्टाग्राम पर कमेंट की मनाही, वॉट्सऐप पर मैसेज कर सकेंगे; 5 साल पहले बैन लगाया था नई दिल्ली। भारतीय सेना के जवानों को पांच साल बाद सोशल मीडिया एप्लीकेशन की परिवर्तन मिल गया है। हालांकि कुछ शर्तें लागू रहेंगी। न्यूज एंजेनी के मुताबिक, नई गाइडलाइन के तहत जवान इंस्टाग्राम पर गील, फोटो और बींडोंगे देख सकेंगे, लेकिन लाइक, कमेंट करने की अनुमति नहीं है। बॉल्सैप्प, टेलीग्राम जैसे एप्स पर गैर-गोपनीय जानकारी शेयर कर सकेंगे। इसके अलावा यूट्यूब और ट्वीटर का इस्टर्नेशन के लिए भी नई गाइडलाइन जारी की गई है। सरकार ने 2020 में संवेदनीयल सूचनाएं लोक होने की आशंका के चलते जवानों और अधिकारियों को 89 ए हटाने का आदेश दिया था।

मोदी सरकार के विजन से मध्य प्रदेश बन रहा विकसित भारत की मजबूत नींव : अमित शाह

बढ़ता राजस्थान



अब यह 'विकसित भारत' का एक मजबूत आधार बन रहा है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि केंद्र सरकार प्रधानमंत्री ने भी जवानों के विजय के अनुरूप प्रदेश को निरंतर सहयोग देती रही। इसी कार्यक्रम में मुख्यमंत्री मोहन यादव के साथ केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने समिट का उद्घाटन किया। इस दैशन निवेशकों को भूमि आवंटन पत्र सौंपे गए, कई परियोजनाओं का शिलान्यास हुआ और 10,000 करोड़ रुपए से अधिक की विकास योजनाएं जनता को समर्पित की गईं।

यह समिट अटल बिहारी वाजपेयी की जन्मभूमि गवालियर में अयोग्यता-योजना के लिए जारी की जन्मस्थान-स्थान का आयोजन किया गया। समिट का विषय था- 'निवेश से रोजगार: अटल का संकल्प, उज्ज्वल मध्य प्रदेश'।

अमित शाह ने मध्य प्रदेश में 1,655 औद्योगिक इकाइयों का कार्य किया शिलान्यास-इस अवसर पर केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मध्य प्रदेश में 1,655 औद्योगिक इकाइयों का शिलान्यास किया। इन इकाइयों में 2 लाख करोड़ रुपए से अधिक का निवेश प्रस्तावित है, जिससे करीब 2 लाख लोगों को रोजगार मिलने की संभावना है। गृह मंत्री ने इसे अटल बिहारी वाजपेयी के सुशान और राष्ट्र समिति के सचिवों को स्वचालित बताया।

यह समिट अटल बिहारी वाजपेयी की जन्मभूमि गवालियर में अयोग्यता-योजना के लिए जारी की जन्मस्थान-स्थान का आयोजन किया गया। समाजीय और समाजीय प्रार्थि के लिए उनकी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने यह कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के लिए एक बड़ा रहस्य है।

बढ़ता देश-विदेश

लखनऊ में पीएम मोदी ने किया राष्ट्र प्रेरणा स्थल का उद्घाटन, देश की महान विभूतियों को किया नमन



बढ़ता राजस्थान

के विचारों और अमूल्य योगदान को जन-जन तक पहुंचाने का एक अनुपम प्रयास

इसके पश्चात प्रधानमंत्री मोदी ने उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ स्थित कवर्स के बाजार में निर्मित राष्ट्र प्रेरणा स्थल का उद्घाटन किया। जहां उनके जीवन, विचार और संघर्ष से जुड़े चित्रों एवं प्रतीक चिह्नों के प्रतिशील किया गया है। लखनऊ में निर्मित भव्य राष्ट्र प्रेरणा स्थल भारतीय राष्ट्रवाद की त्रीयी- डॉ. श्यामा प्रसाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित कई विशिष्ट वर्षों के बाजार में राष्ट्रीय भावाना को प्रतीक और अमूल्य योगदान को जन-जन तक पहुंचाने का एक अनुपम प्रयास है।

पर भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन और स्वतंत्रता सेनानियों से जुड़ी स्वरूप आर्ट के माध्यम से राष्ट्र निर्माण की यात्रा को दर्शाया गया है।

परिसर में राष्ट्र प्रेरणा स्थल को जीवन की विचारों को समर्पित एक संग्रहालय की इंटरप्रिटेशन वॉल पर भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन और स्वतंत्रता सेनानियों से जुड़ी स्वरूप आर्ट के माध्यम से राष्ट्र निर्माण की यात्रा को दर्शाया गया है। संग्रहालय के बाजारी-वाले विचारों के बाजारी-वाले विचारों और भारतीय भावाना को प्रतीक और अमूल्य योगदान को जन-जन तक पहुंचाने का एक अनुपम प्रयास है।

राष्ट्र प्रेरणा स्थल को कमल की आकृति में किया गया है।

राष्ट्र प्रेरणा स्थल को जीवन की आकृति

में किया गया है।

विकासित किया गया है।